YMCA University of Science & Technology
(NAAC Accredited Grade 'A' State University)
Sector 6, Faridabad (HARYANA) – 121006

NEWS CLIPPING: 26.04.2018

PUNJAB KESARI

'रोजगार लेने नहीं देने वाले बनें'

बताया, उद्यमशीलता में काफी अच्छे अवसर

कार्यक्रम में लोगों को संबोधित करते हुए अतिथि।

फरीदाबाद, 25 अप्रैल (ब्यूरो): वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के करियर एवं परामर्श प्रकोष्ठ द्वारा 'भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए उन्नत समाधान' विषय पर आज एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें स्वदेशी जागरण मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष सतीश कुमार मुख्य वक्ता रहे और विद्यार्थियों को देश में रोजगार के 'स्वदेशी' स्त्रोत्रों के प्रति प्रेरित किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने की। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. संजय कुमार शर्मा, स्वदेशी जागरण मंच से सतेन्द्र कुमार सोरोत, ओम प्रकाश, देवेन्द्र अग्रवाल तथा करन वत्स भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संयोजन करियर व परामर्श प्रकोष्ठ के अध्यक्ष डॉ. अरविंद गुप्ता ने किया। अपने संबोधन में सतीश कुमार ने विद्यार्थियों को उद्यमशीलता के महत्व के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को रोजगार साधक बनने की बजाए रोजगार प्रदाता बनने के बारे में सोचना चाहिए। उन्होंने कहा कि स्टार्ट-अप में न सिर्फ व्यक्तिगत प्रगति के अवसर है, बल्कि इससे देश की अर्थव्यवस्था को भी बल मिलेगा। उन्होंने अत्याधिक योग्यता होने के बावजूद कम योग्यता की नौकरी के लिए आवेदन करने वाले युवाओं का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा कि युवाओं के लिए उद्यमशीलता में काफी अच्छे अवसर है, जिसके लिए उन्हें प्रयास करने की आवश्यकता है। उन्होंने अपने व्यक्तिगत अनुभव साझे किए तथा सफल कहानियों के कई उदाहरण भी बताए, जिसमें उन्होंने दिल्ली के मशहूर फूड ब्रांड 'बिट्टू टिक्की वाला' रेस्तरां का उदाहरण भी दिया। इस अवसर पर उन्होंने विद्यार्थियों के प्रश्नों के उत्तर भी दिये।

पंजाब केसरी ई-पेपर
Thu, 26 April 2018
epaper.punjabkesari.in/c/28183786

NEWS CLIPPING: 26.04.2018

AMAR UJALA

रोजगार के बेहतर अवसर सृजित करें युवा : सतीश

फरीदाबाद। वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कैरियर एवं परामर्श प्रकोष्ठ द्वारा 'भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए उन्नत समाधान' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें स्वदेशी जागरण मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष सतीश कुमार मुख्य वक्ता रहे। उन्होंने विद्यार्थियों को देश में रोजगार के स्वदेशी स्रोत्रों के प्रति प्ररित किया।

कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने मुख्य वक्ता का स्वागत किया। कार्यक्रम का संयोजन कैरियर व परामर्श प्रकोष्ठ के अध्यक्ष डॉ. अरविंद गुप्ता ने किया। मुख्य वक्ता ने कहा कि विद्यार्थियों को रोजगार साधक बनने की बजाय रोजगार प्रदाता बनने के बारे में सोचना चाहिए। उन्होंने कहा कि स्टार्टअप में न सिर्फ व्यक्तिगत प्रगति के अवसर हैं, बल्कि इससे देश की अर्थव्यवस्था को भी बल मिलेगा। उन्होंने अत्यधिक योग्यता होने के बावजूद कम योग्यता की नौकरी के लिए आवेदन करने वाले युवाओं का उदाहरण दिया। मुख्य वक्ता ने कहा कि युवाओं के लिए उद्यमशीलता में काफी अच्छे अवसर हैं। इसके लिए उन्हें प्रयास करने की आवश्यकता है। ब्यूरो

NEWS CLIPPING: 26.04.2018

HINDUSTAN

विद्यार्थियों ने उद्यमशीलता का महत्व जाना

फरीदाबाद | वरिष्ठ संवाददाता

वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में बुधवार को करियर एवं परामर्श प्रकोष्ठ की ओर से भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए उन्नत समाधान विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें मुख्यवक्ता के रूप में स्वदेशी जागरण मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष सतीश कुमार मौजूद थे।

इस दौरान उन्होंने विद्यार्थियों को उद्यमशीलता के महत्व के विषय में बताया। उनका कहना था कि लोगों को रोजगार देने वाला बनना चाहिए। स्टार्ट-अप में न सिर्फ व्यक्तिगत प्रगति के अवसर हैं, बल्कि इससे देश की अर्थव्यवस्था को भी बल मिलता है। इस दौरान उन्होंने कई उदाहरण भी दिए। अत्याधिक योग्यता होने के बावजूद कुछ लोग कम योग्यता की नौकरी के लिए आवेदन करते हैं। युवाओं के लिए उद्यमशीलता में काफी अच्छे अवसर हैं, इसके लिए उन्हें प्रयास करने की आवश्यकता है।

उन्होंने व्यक्तिगत अनुभव भी साझा किए। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. दिनेश कुमार, कुलसचिव डॉ. संजय कुमार शर्मा, स्वदेशी जागरण मंच से सतेन्द्र कुमार सोरोत, ओम प्रकाश, देवेन्द्र अग्रवाल, करन वत्स भी उपस्थित थे।

NEWS CLIPPING: 26.04.2018

NAVBHARAT TIMES

कार्यशाला का आयोजन

एनबीटी न्यूज, फरीदाबाद : वाईएमसीए यूनिवर्सिटी में बुधवार को भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए उन्नत समाधान विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस दौरान स्वदेशी जागरण मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष सतीश कुमार मुख्य वक्ता के रूप में मौजूद रहे। मौके पर सतीश कुमार ने छात्रों को उद्यमशीलता के महत्व के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि छात्रों को रोजगार साधक बनने की जगह रोजगार प्रदाता बनने के बारे में सोचना चाहिए। युवाओं के लिए उद्यमशीलता में काफी अच्छे अवसर है, जिसके लिए उन्हें प्रयास करने की आवश्यकता है। मौके पर यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रोफेसर दिनेश कुमार, सतेंद्र कुमार, संजय कुमार, ओमप्रकाश, दवेंद्र अग्रवाल आदि मौजूद थे।